प्रेस विज्ञप्ति

लोक कल्याणकारी रचनात्मक कार्यो के लिए सदा समर्पित शिवावतार महायोगी गुरु गोरक्षनाथ जी की पवित्र भूमि श्री गोरक्षनाथ मन्दिर के उत्तरी परिसर में परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से वर्ष 2003 ई0 में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय की स्थापना हुई। इसका औपचारिक उद्घाटन दिनांक 16 जुलाई 2003 को भारत के तत्कालीन उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी तथा अन्य राष्ट्रीय तथा प्रदेश स्तर के विभूतियों एवं धर्माचार्यो की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस चिकित्सालय में विशिष्ट चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध है। यह 350 बिस्तर की सुविधा वाला चिकित्सालय है यथासम्भव सस्ती, उच्च गुणवत्ता तथा प्रदेश स्तर की विश्वसनीय चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। समय-समय पर यहां नये विभाग बढ़ते जा रहे हैं। इसी क्रम में यहा एं उच्चस्तरीय ब्लड बैंक की स्थापना सन 2005 में तत्कालीन केन्द्रिय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. सी.पी. ठाकुर द्वारा किया गया। आरम्भ से ही यह ब्लड बैंक निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रहा है। इसका उन्नयन कार्यक्रम 2007 में सम्पन्न हुआ जब एक कम्पोनेन्ट विभाग की स्थापना हुई। इसके स्थापना के अवसर पर लखनऊ, दिल्ली तथा अन्य नगरों के रक्त विज्ञान के विशेषज्ञ तथा औषधि नियंत्रक इत्यादि विद्वान उपस्थित थे। कम्पोनेन्ट के स्थापना के उपरान्त इस क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के रोगी जैसे मानसिक ज्वर, डेंगू, चिकनगुनिया, बुखार तथा अन्य वायरसों से ग्रसित है, उनको अपार लाभ हुआ। इस प्रकार के रोगियों को प्लेटलेट्स की आवश्यकता होती है जिसकी आपूर्ति पहले लखनऊ अथवा दिल्ली से होती थी अब यहां होने लगी है। इसके अतिरिक्त हीमोफिलिया, परप्यूरा, जले हुए रोगी आदि रोगियों को लाभ प्राप्त हो रहा है।

उन्नयन कार्यक्रम तथा निरंतरता के क्रम में इस ब्लड बैंक में रक्त जनित बिमारियों हेतु स्वचलित उपकरण लगाए गए है तथा पूरा ब्लड बैंक कम्प्यूटरीकृत कराया गया है।

स्थापना काल से ही यह ब्लड बैंक अपनी अनवरत सेवाएं न केवल पूर्वांचल अपितु पूरे राज्य उत्तर प्रदेश तथा सीमावर्ती देश नेपाल एवं पड़ोसी राज्य बिहार को

अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। आज कल डेंगू महामारी का प्रकोप पूरे उत्तर भारत में फैला हुआ है तथा इसकी चपेट में पूर्वांचल एवं गोरखपुर ग्रसित है। इस विस्तारित ब्लड बैंक के सेवाओं के कारण डेंगू के रोगियों में प्लेटलेट्स की जहां भारी कमी हो जाती है, रोगियों के स्वास्थ्य का भरपूर ध्यान रखा जा रहा है तथा उनके प्राणों की रक्षा भी हो रही है। यह ब्लड बैंक निरन्तर 24 घण्टे प्लेटलेट्स बना रहा है तथा इसकी आपूर्ति अनवरत रोगियों में की जा रही है। आज का दिन ब्लड बैंक के स्वर्णाक्षरों में लिखा जायेगा जब एक नए कीर्तिमान की स्थापना हुई आज ब्लड एवं ब्लड अवयव (कम्पोनेन्ट) की उच्चतम आपूर्ति की गयी कुल 182 कम्पोनेन्ट तथा कुल प्लेटलेट्स 104 की संख्या में आपूर्ति हुई।

ब्लड बैंक के स्थापना काल से अब तक यह सबसे अधिक एक कार्य दिवस में आपूर्ति का नया कीर्तिमान है।

चिकित्सालय के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. ठाकुर, अपर निदेशक डॉ कामेश्वर सिंह, चिकित्सालय के अन्य अधिकारी, चिकित्सकगण एवं कर्मचारी सबकी अहम् भूमिका इस उपलब्धि के लिए रही है मैं सबको धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

यह उपलब्धि जनमानस का इस ब्लड बैंक के प्रति अटूट विश्वास एवं गुणवत्तापूर्ण रक्त की आपूर्ति को जाता है। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र के स्वयंसेवी संस्थान, सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रतिष्ठान, शैक्षणिक संस्थाएं तथा गुरूद्वारा का सहयोग अमूल्य रहा है। ब्लड बैंक इन सभी संस्थाओं के प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त करता है। प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया तथा सोशल मीडिया का भी सहयोग मिला जिसके कारण आज हम इस महान उपलब्धि को प्राप्त कर सके। अन्त में गोरक्षनाथ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद तथा हमारे संरक्षक गोरक्षपीठाधीश्वर तथा राज्य के मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज का कृपावत वर्षा हमारे सफलता के मूल में पहले से उपलब्ध है। ब्लड बैंक आप सबके प्रति आभार व्यक्त करता है।